भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 03 जुलाई, 2025
जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: (i) अगले 6-7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों और पश्चिमी तट पर भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, साथ ही पूर्वी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, दक्षिण तटीय महाराष्ट्र और गोवा, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में आज, 03 जुलाई, 2025 को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।

(ii) अगले 5 दिनों के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

आज दिनांक 03 जुलाई, 2025 को 0830 बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम की स्थिति:

- दक्षिण-पश्चिम राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों और तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- आंतरिक ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, कोंकण (तटीय महाराष्ट्र), असम, केरल और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है; अरुणाचल प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी इलाके, मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- कोंकण, मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र, बिहार, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पश्चिम मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, ओडिशा, असम और मेघालय, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर 40-60 किमी प्रति घंटे की गति से तूफानी/तेज हवाओं के साथ तूफान आया।

अधिक जानकारी के लिए: कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

मौसम प्रणालियाँ:

- औसत समुद्र तल पर मानसून की द्रोणिका अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में चलती है।
- औसत समुद्र तल पर एक अपतटीय द्रोणिका महाराष्ट्र-कर्नाटक तटों के साथ चलती है।
- एक चक्रवाती परिसंचरण पश्चिमी राजस्थान के मध्य भागों और निचले क्षोभमंडल स्तरों में उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश के ऊपर बना हुआ है।
- निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों में गंगीय पश्चिम बंगाल से सटे उत्तरी ओडिशा पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है।
- एक द्रोणिका पूर्वोत्तर अरब सागर से उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक मध्य भारत के निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों से होकर गुजरती है जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुकती है।
- निचले क्षोभमंडल स्तरों में मध्य असम के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 03 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी) होने की संभावना है।
- 03-09 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान, पंजाब में; 03-05 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान; 05-09 जुलाई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 05-08 जुलाई के दौरान जम्मू में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है, 05-07 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 06 और 07 को उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और 04-06 के दौरान पूर्वी राजस्थान; 03 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और मैदानी इलाकों में कुछ/कई स्थानों पर गरज, बिजली के साथ अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- 03 जुलाई को दक्षिण कोंकण (दक्षिण तटीय महाराष्ट्र) और गोवा में; 03, 06 और 07 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी) होने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और सौराष्ट्र और कच्छ में भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ-साथ आंधी, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 03-09 जुलाई के दौरान मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ में; 03-06 जुलाई के दौरान बिहार, झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा; 03, 04 और 07-09 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा; 03-07 के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में; 04-06 के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 03-05 के दौरान ओडिशा; 06 और 07 जुलाई को छत्तीसगढ़ में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, साथ ही आंधी, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में अधिकांश स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है। 06 जुलाई को मेघालय में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 03 जुलाई को तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी) होने की संभावना है।
- 03 जुलाई को तेलंगाना में; 03-06 जुलाई के दौरान केरल और माहे, आंतरिक कर्नाटक, 03-09 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में;अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है; 03 को केरल और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 04 और 05 को तटीय कर्नाटक और 04 जुलाई को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज़ सतही हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, तेलंगाना में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ छिटपुट वर्षा, बिजली गिरने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 03 जुलाई से 08 जुलाई 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचें:

अरब सागर:

- 1 से 5 दिन (03 से 8 जुलाई) के दौरान गुजरात, कोंकण, गोवा तटों के साथ-साथ; 1 से 5 दिन (03 से 8 जुलाई) के दौरान सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, ओमान और आसपास के यमन तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों के साथ-साथ; 1 से 5 दिन (03 से 8 जुलाई) के दौरान मध्य और आसपास के उत्तर, दक्षिण अरब सागर के ऊपर; 1 से 5 दिन (03 से 8 जुलाई) के लिए दक्षिणी और उत्तर-पश्चिमी अरब सागर के कुछ हिस्से, 5 दिन (8 जुलाई) के लिए उत्तर अरब सागर के दक्षिणी हिस्से में जाने से बचें।

बंगाल की खाड़ी:

- 1 से 3 दिन (03 से 6 जुलाई) तक उत्तरी आंध्र प्रदेश तट के साथ-साथ; 4 और 5 दिन (06 और 07 जुलाई) तक ओडिशा, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के तटों के पास न जाएं।
- 1 दिन (03 जुलाई) तक मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग, 2 दिन (04 जुलाई) तक मध्य बंगाल की खाड़ी के कई भाग; 3 दिन से 5 दिन (05 से 08 जुलाई) तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कई भाग और पूर्व-मध्य तथा दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के आस-पास के क्षेत्र; 1 दिन (03 जुलाई) तक मन्नार की खाड़ी के ऊपर न जाएं।
- उपर्युक्त क्षेत्रों और तिथियों पर मछली पकड़ने के काम को पूरी तरह से स्थगित करने का सुझाव दिया गया है।

ii. 03 से 06 जुलाई 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **पूर्वी राजस्थान**: बस्सी (चित्तौरगढ़) 32, भीलवाड़ा तहसील एसआर (जिला भीलवाड़ा), भीलवाड़ा (जिला भीलवाड़ा) 20 प्रत्येक; गंगरार (जिला चित्तौड़गढ़) 16; जवाजा (जिला अजमेर) 13; कोटड़ी (जिला भीलवाड़ा), बेगू एसआर (जिला चित्तौड़गढ़), अरनोद एसआर (जिला प्रतापगढ़) 12 प्रत्येक; घाटोल (जिला बांसवाड़ा) 10; चित्तौड़गढ़ (जिला चित्तौड़गढ़), मांडलगढ़ (जिला भीलवाड़ा), अजमेर तहसील एसआर (जिला अजमेर), नसीराबाद (जिला अजमेर) 9 प्रत्येक; हुरड़ा एसआर (जिला भीलवाड़ा), जगपुरा एसआर (जिला बांसवाड़ा), पुष्कर एसआर (जिला अजमेर) 8 प्रत्येक; पिसागन एसआर (जिला अजमेर), बनेड़ा एसआर (जिला भीलवाड़ा), मांगलियावास एसआर (जिला अजमेर) 7 प्रत्येक;
- **गुजरात क्षेत्र**: वडगाम (जिला बनासकांठा) 27; दंतेवाड़ा एडब्ल्यूएस (जिला बनासकांठा), दंतीवाड़ा (जिला बनासकांठा) 24 प्रत्येक; पालनपुर (जिला बनासकांठा) 18; विजापुर (जिला मेहसाणा) 16; खेडब्रह्मा (जिला साबरकांठा), धानेरा (जिला बनासकांठा), उमरपाड़ा (जिला सूरत) 13 प्रत्येक; वडाली (जिला साबरकांठा) 12; वालोड (जिला तापी) 11; व्यारा (जिला तापी) 10; महुवा (जिला सूरत), सुबीर (जिला डांग) 9 प्रत्येक; कथलाल (जिला खेड़ा), कपडवंज (जिला खेड़ा) 8 प्रत्येक; दीसा (जिला बनासकांठा), बारडोली (जिला सूरत), महुधा (जिला खेड़ा), धरोई कॉलोनी (जिला मेहसाणा), दाहोद केवीके एडब्ल्यूएस (जिला दाहोद), सावली (जिला वडोदरा) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिम राजस्थान**: रायपुर एसआर (जिला पाली) 25; जैतारण (जिला पाली) 19; सोजत (जिला पाली) 16; मारवाड़ जंक्शन (जिला पाली) 8;
- **कोंकण और गोवा**: कंकावली (जिला सिंधुदुर्ग) 22; मडगांव (जिला दक्षिण गोवा) 19; सावंतवाड़ी (जिला सिंधुदुर्ग), अवलेगांव - एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग), मापुसा (जिला उत्तर गोवा) 18 प्रत्येक; संगुएम (जिला दक्षिण गोवा), पोंडा (जिला उत्तर गोवा), कुडाल (जिला सिंधुदुर्ग), मुल्दे एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग), राजापुर (जिला रत्नागिरी) 17 प्रत्येक; माथेरान (जिला रायगढ़), पंजिम (जिला उत्तर गोवा), क्यूपेम (जिला दक्षिण गोवा) 15 प्रत्येक; डोडामर्ग (जिला सिंधुदुर्ग), डाबोलिम एन.ए.एस.- नेवी (जिला दक्षिण गोवा) 14 प्रत्येक; रोहा (जिला रायगढ़), कैनाकोना (जिला दक्षिण गोवा), पोलाडपुर (जिला रायगढ़) कर्जत एआरजी (जिला रायगढ़), पेरनेम (जिला उत्तरी गोवा), वैभववाड़ी (जिला सिंधुदुर्ग) 12 प्रत्येक; मोरमुगाओ - पीएमओ आईएमडी (जिला दक्षिण गोवा), सुधागढ़ पाली (जिला रायगढ़), लांजा (जिला रत्नागिरी) 11 प्रत्येक; पवारवाड़ी - एआरजी (जिला रत्नागिरी), देवगढ़ (जिला सिंधुदुर्ग), सावरदे-आर्ग (जिला रत्नागिरी) 10 प्रत्येक; खालापुर (जिला रायगढ़) 9; मनगांव (जिला रायगढ़), मंडनगढ़ (जिला रत्नागिरी), महाड (जिला रायगढ़), ताला (जिला रायगढ़), रामेश्वर एआरजी (जिला सिंधुदुर्ग) 8 प्रत्येक; पनवेल एआरजी (जिला रायगढ़), मुरबाड (जिला ठाणे), उरण (जिला रायगढ़), संगमेश्वर देवरुख (जिला रत्नागिरी) 7 प्रत्येक;
- **तटीय कर्नाटक**: कैसल रॉक (जिला उत्तर कन्नड़) 21; कादरा (जिला उत्तर कन्नड़) 14; सिद्दपुरा (जिला उडुपी) 12; अंकोला (जिला उत्तर कन्नड़), बेलथांगडी (जिला दक्षिण कन्नड़) 9 प्रत्येक; मुदुबिद्रे (जिला दक्षिण कन्नड़), कारवार (जिला उत्तर कन्नड़), धर्मस्थल (जिला दक्षिण कन्नड़), मानकी (जिला उत्तर कन्नड़), शिराली पीटीओ (जिला उत्तर कन्नड़) 8 प्रत्येक; जोइदा (जिला उत्तर कन्नड़), करकला (जिला उडुपी), सुल्या (जिला दक्षिण कन्नड़), पुत्तूर एचएमएस (जिला दक्षिण कन्नड़) 7 प्रत्येक;
- **मध्य महाराष्ट्र**: राधानगरी (जिला कोल्हापुर) 17; लोनावाला एआरजी (जिला पुणे) 16; गगनबावड़ा (जिला कोल्हापुर) 15; महाबलेश्वर (जिला सतारा), इगतपुरी (जिला नासिक) 12 प्रत्येक; अजरा (जिला कोल्हापुर) 9; चांदगढ़ (जिला कोल्हापुर), वेल्हे (जिला पुणे) 8 प्रत्येक; शाहुवाड़ी (जिला कोल्हापुर) 7;
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक**: अगुम्बे इमो (जिला शिवमोग्गा) 16; कम्मारडी (जिला चिक्कमगलुरु) 15; जयापुरा (जिला चिक्कमगलुरु) 12; कोप्पा (जिला चिक्कमगलुरु) 10; एन आर पुरा (जिला चिक्कमगलुरु) 9; बालेहोन्नूर (जिला चिक्कमगलुरु), सोमवारपेट (जिला कोडागु), भागमंडला (जिला कोडागु) 8 प्रत्येक; कलासा (जिला चिक्कमगलुरु), कोट्टीगेहारा (जिला चिक्कमगलुरु) 7 प्रत्येक;
- **असम और मेघालय:** बिहुबार (जिला सिबसागर) 15; डी/मोहनबाड़ी एपी (जिला डिब्रूगढ़) 10; नाहर कटिया (जिला डिब्रूगढ़) 9; मोरनहाट (जिला डिब्रूगढ़), उदयपुर (जिला तिनसुकिया) 8 प्रत्येक;
- **ओडिशा**: गैसिलेट (जिला बरगढ़) 15; बालीगुड़ा (जिला कंधमाल), सालेभट्टा (जिला बोलांगीर) 14 प्रत्येक; रायराखोल (जिला संबलपुर) 13; कांतमल (जिला बौधगढ़) 12; अगलपुर (जिला बोलांगीर), बिरमहाराजपुर (जिला सोनपुर) 11 प्रत्येक; कोरापुट (जिला कोरापुट), सोनपुर (जिला सोनपुर) 10 प्रत्येक; पैकमल (जिला बरगढ़), अताबीरा (जिला बरगढ़), खैरमल (जिला बौधगढ़) 9 प्रत्येक; बनईगढ़ (जिला सुंदरगढ़), डूंगुरीपल्ली (जिला सोनपुर), चित्रकुंड के गुमा (जिला मलकानगिरी), हेमगिरी (जिला सुंदरगढ़) 8 प्रत्येक; बरगांव (जिला सुंदरगढ़), बिनिका (जिला सोनपुर), जेपोर (जिला कोरापुट), जुजुमुरा (जिला संबलपुर), कोटागढ़ (जिला कंधमाल), बालीसंकरा (जिला सुंदरगढ़) 7 प्रत्येक;

- **छत्तीसगढ़**: डभरा (जिला सक्ती) 13; रायगढ़ (जिला रायगढ़) 10; पुसौर (जिला रायगढ़) 9; सारंगढ़ (जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़), भटगांव (जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़), छाल (जिला रायगढ़) 8 प्रत्येक; सुकमा (जिला सुकमा), सरायपाली (जिला महासमुंद), सरिया (जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़) 7 प्रत्येक;
- **हिमाचल प्रदेश**: पच्छाद (जिला सिरमौर) 13;
- **उत्तराखंड**: लोहारखेत (जिला बागेश्वर) 13; सामा (जिला बागेश्वर) 12; कर्णप्रयाग (जिला चमोली) 11; कपकोट (जिला बागेश्वर) 7;
- **केरल और माहे**: टेलिचेरी (जिला कन्नूर) 13; माहे (जिला माहे), पिनाराई एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर) 9 प्रत्येक; तालिपरम्बा (जिला कन्नूर), अय्यनकुन्नु एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर), पनाथुर एडब्ल्यूएस (जिला कासरगोड) 8 प्रत्येक; होसदुर्ग (जिला कासरगोड), कन्नूर हवाई अड्डा एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर), मुलियार एडब्ल्यूएस (जिला कासरगोड), एम्स कन्नूर (जिला कन्नूर) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश**: सैलाना (जिला रतलाम) 10;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश:** ब्यौहारी (जिला शहडोल) 10; चंदिया (जिला उमरिया) 9;
- **तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल**: देवाला (जिला नीलगिरी), ऊपरी गुडलूर (जिला नीलगिरी) 8 प्रत्येक; जी बाज़ार (जिला नीलगिरी) 7;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक:** लोंडा (जिला बेलगावी) 8;
- **झारखंड**: चाईबासा (जिला पश्चिम सिंहभूम) 7;
- **गांगेय पश्चिम बंगाल**: घेरापारा (जिला बीरभूम) 7.

बीते 24 घंटों में दर्ज झोंकेदार हवाएँ (किमी/घंटा, 03 जुलाई 2025, 0830 बजे IST तक):

- **कोंकण**: कोलाबा 56, दापोली (रत्नागिरी) 44, सांताक्रूज़ 43;
- **मराठवाड़ा**: अम्बेजोगाई (बीड) 56, छ.ग. संभाजी नगर 44, जलगांव - 44;
- **मध्य महाराष्ट्र**: महाबलेश्वर (सतारा) 50, कलवान (नासिक) 50, बारामती (पुणे) 46;
- **बिहार**: पूर्वी चंपारण 50; सिपाया 44; सरैया 43; अर्राबारी, सुखेत 39; राजगीर 37; पूसा 35; बेगुसराय, भोजपुर 33; डुमरांव, आईआईटी पटना, शेखपुरा 31; मुजफ्फरपुर, जीरादेई 30;
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह**: श्री विजयपुरम 49;
- **पश्चिमी मध्य प्रदेश**: उज्जैन 44;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: गोरखपुर और लखनऊ 43 प्रत्येक, बाराबंकी, बहराईच, बलिया और मिर्ज़ापुर 39 प्रत्येक;
- ओडिशा**:** कटक 41; रानीताल, पितापल्ली 31;
- **असम और मेघालय**: डिब्रूगढ़ 41, शिलांगनी 37, गुवाहाटी 31, मासिनराम 41, मावकिरवाट 39, जोवाई 37, तुरा 31

अनुलग्नक II

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	3- Jul	4- Jul	5- Jul	6- Jul	7- Jul	8- Jul	9- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
7	ODISHA	WS	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	SCT	FWS	WS	WS	FWS	FWS
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	SCT	WS	WS	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

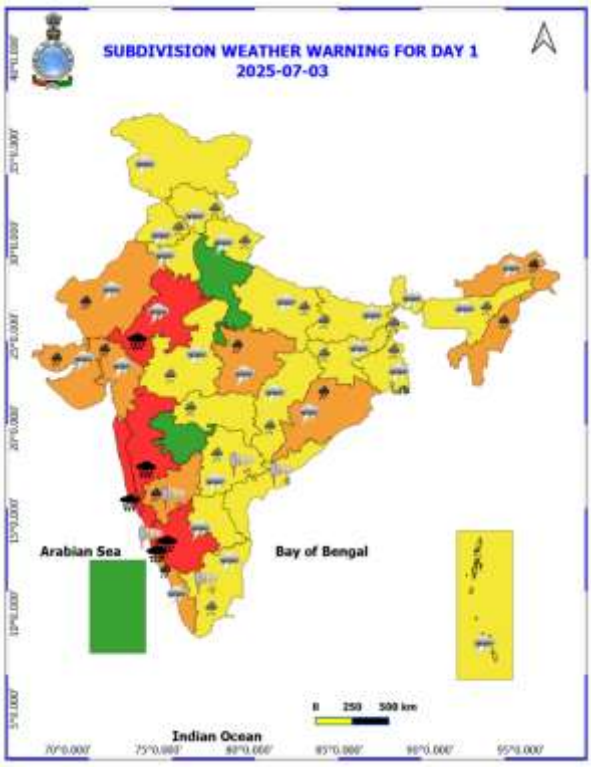
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-07-03
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

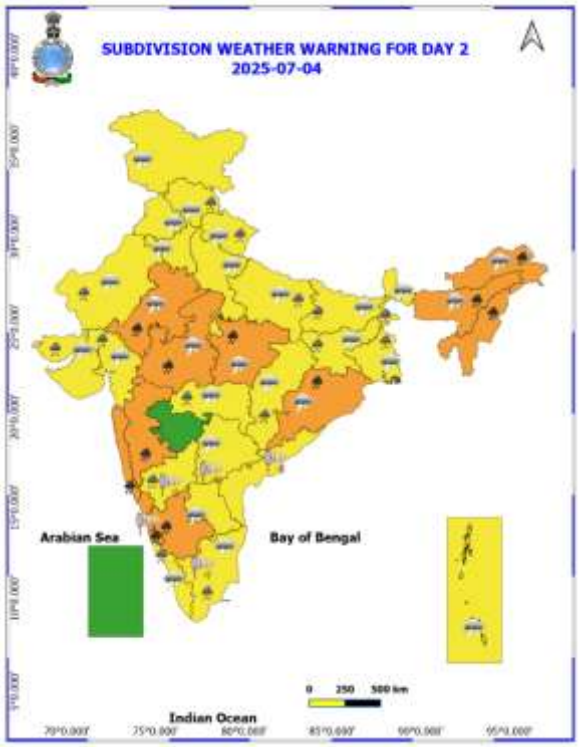
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-07-04
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

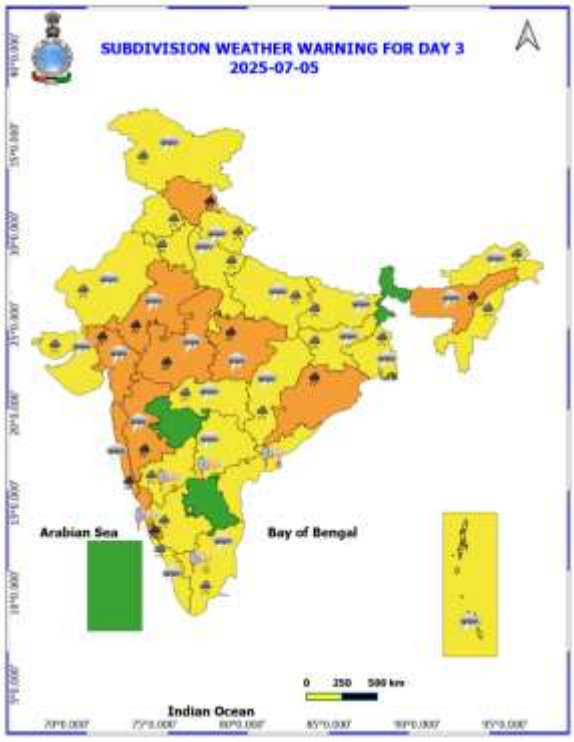
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-07-05
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

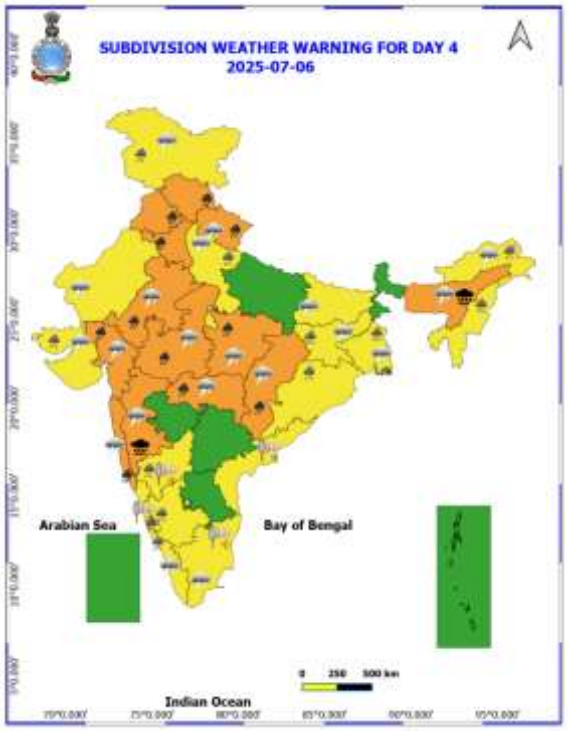

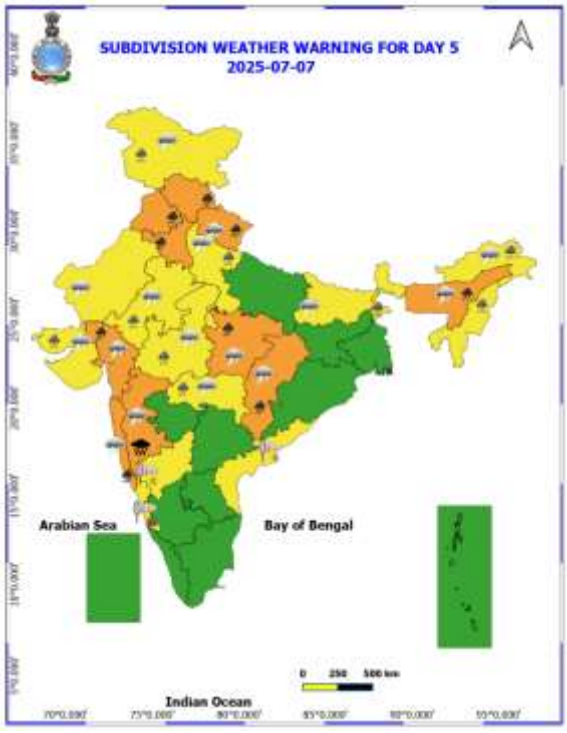

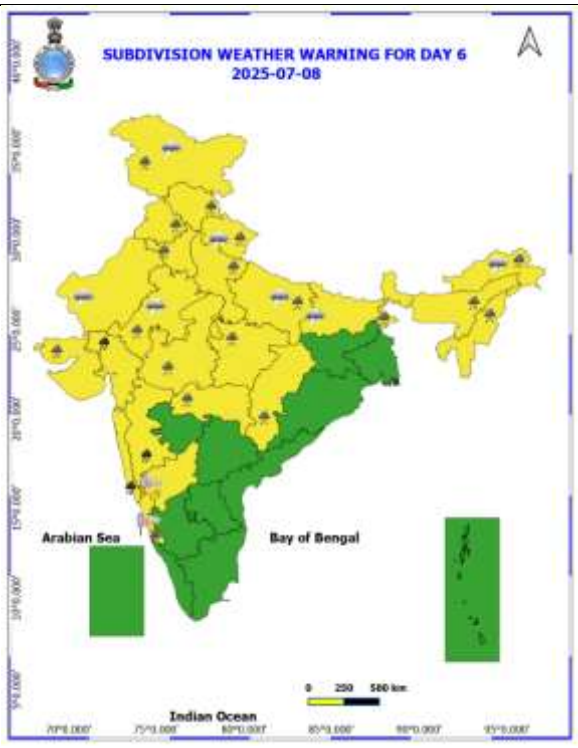

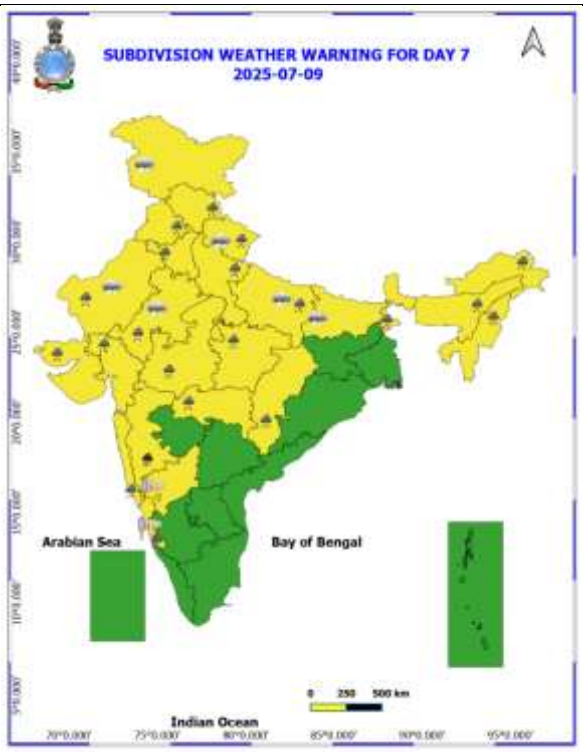

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

दिल्ली/एनसीआर में 03 से 06 जुलाई 2025 के दौरान मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में मामूली वृद्धि और अधिकतम तापमान में 1-2°C तक की वृद्धि दर्ज की गई। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः लगभग 35 से 36°C और 26 से 27°C के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहा जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 3°C तक कम रहा। आंशिक रूप से बादल छाए रहे और पूर्व/उत्तर-पूर्व दिशा से सतही हवाएं लगभग 18 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। आज पूर्वाह्न में पूर्व/दक्षिण-पूर्व दिशा से 16 किमी प्रति घंटे से कम गति की हवाएं और आंशिक रूप से बादल छाए रहने की स्थिति रही।

मौसम पूर्वानुमान:

03.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश की संभावना है, जो गरज/बिजली के साथ हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 36 से 38°C के बीच रहने की संभावना है और यह सामान्य के आसपास रहेगा। प्रमुख सतही हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से दोपहर में 20 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलेंगी। शाम और रात के समय यह गति घटकर 10-15 किमी प्रति घंटे रह सकती है।

04.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश की संभावना है, जो गरज/बिजली के साथ हो सकती है। अधिकतम तापमान 36 से 38°C और न्यूनतम तापमान 26 से 28°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेंगे। प्रमुख सतही हवाएं सुबह दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलेंगी। दोपहर में गति घटकर 08-10 किमी प्रति घंटे हो सकती है और शाम व रात के समय यह घटकर 08 किमी प्रति घंटे से कम दक्षिण-पश्चिम दिशा से हो सकती है।

05.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली चमकने की संभावना है। अधिकतम तापमान 35 से 37°C और न्यूनतम तापमान 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3°C तक कम और अधिकतम तापमान भी सामान्य से 1 से 3°C तक कम रहेगा। सुबह पूर्व दिशा से सतही हवाएं 10 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेंगी। दोपहर में गति घटकर 08 किमी प्रति घंटे से कम दक्षिण-पूर्व दिशा से होगी और शाम व रात में यह गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटे से कम दक्षिण-पूर्व दिशा से हो सकती है।

06.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। गरज/बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। अधिकतम तापमान 32 से 34°C और न्यूनतम तापमान 26 से 28°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5°C तक कम रहेगा। सुबह दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवाएं 20 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेंगी। दोपहर में गति घटकर 10 किमी प्रति घंटे से कम हो सकती है और शाम व रात में यह गति बढ़कर 12 किमी प्रति घंटे से कम रह सकती है।

गर्ज/बिजली के साथ तूफान के कारण संभावित प्रभाव और सुझावित कार्रवाई:

- सतर्क रहें और एहतियाती कदम उठाएं, क्योंकि गरज और बिजली गिरने की संभावना है।
- खड़ी फसलों को नुकसान, शाखाएं टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान हो सकता है, कमजोर ढांचों को आंशिक नुकसान पहुंच सकता है, ढीले वस्तुएं उड़ सकती हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की स्थिति पर नजर रखें और स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें यदि संभव हो तो।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और दीवारों से न टिकें।
- विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को तुरंत अनप्लग करें, जल स्रोतों से बाहर निकलें और सभी विद्युत-चालक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

(i) अगले 6-7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों और पश्चिमी तट पर भारी से बहुत भारी वर्षा की गतिविधि, साथ ही पूर्वी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, दक्षिण तटीय महाराष्ट्र और गोवा, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में आज, 03 जुलाई, 2025 को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) की संभावना है।

(ii) अगले 5 दिनों के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- ❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- ❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- ❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना
- ❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **ओडिशा** में, पहले से बोई गई धान की नर्सरी, मक्का और सब्जियों के खेतों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। बीजों को बहने से रोकने के लिए धान और सब्जियों की नर्सरी को प्लास्टिक शीट से ढक दें। पपीते और केले के पौधों को तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए उन्हें मज़बूत लकड़ी का सहारा दें। **पश्चिम मध्य मैदानी क्षेत्र** में, अरहर और मूंगफली की बुआई स्थगित करें। जलभराव की स्थिति के कारण खराब अंकुरण / अंकुरण न होने की स्थिति में मक्का की दोबारा बुआई करें। **केन्दुझर जिले** में, मक्का और मूंग की बुआई स्थगित करें।
- ➢ **झारखंड में,** पहले से बोए गए मक्का के खेतों, धान और सब्जी की नर्सरियों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु आवश्यक व्यवस्था करें। सब्जी वाली फसलों की नर्सरी को पॉलीथीन शीट से ढक दें।
- ➢ **पश्चिम मध्य प्रदेश** में, जलभराव से बचने के लिए सब्जियों और बगानों से अतिरिक्त जल निकालने के लिए आवश्यक प्रबंध करें। **पश्चिमी मध्य प्रदेश** के **गिर्द क्षेत्र** में, बाजरे की बुवाई स्थगित करें। **पूर्वी मध्य प्रदेश** में, परिपक्व मक्का, मूंग और उड़द की कटी हुई फसल को सुरक्षित सथान पर रखें। पहले से बोए गए / रोपे गए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ➢ **छत्तीसगढ़** में, धान की नर्सरी, मक्का, बाजरा और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। **बस्तर पठार क्षेत्र** में, भारी वर्षा के दौरान धान की रोपाई स्थगित करें।
- ➢ **पूर्वी राजस्थान** में, भिंडी और कद्दूवर्गीय सब्जियों की कटाई कर उन्हें सुरक्षित स्थान पर भण्डारित करें। मूंगफली और मूंग की फसल से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।

- **पूर्वी उत्तर प्रदेश** में, देर से बोई गई धान की नर्सरी, मूंगफली, मूंग, मक्का और सब्जियों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था बनाए रखें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, सब्जियों और फलों के बागों में जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें। लताओं और लंबी सब्जी-वर्गीय फसलों (टमाटर, शिमला मिर्च आदि) के लिए सहारे को मजबूत बनाएँ। भारी बारिश के कारण होने वाले नुकसान को कम करने के लिए आलूबुखारा, नाशपाती और स्टोन-फ्रूट के पके हुए फलों की तुड़ाई करें। धान की नर्सरी और मक्का के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- **उत्तराखंड** में, अरहर, मूंगफली, मक्का, गन्ना, बाजरा, रागी, धान की नर्सरी, राजमा, उड़द, मूंग, सब्जी और बागों में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। पकी हुई सब्जियों (कद्दू, टमाटर, भिंडी, मिर्च, फ्रेंच बीन आदि) और फलों को तोड़कर सुरक्षित स्थान पर रखें। गन्ने के पौधों को गिरनें से बचाने हेतु आपस में बांध दें।
- **कोंकण** में, जलभराव से बचाव हेतु धान की नर्सरी, रागी तथा मूंगफली के खेतों और बागवानी फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **मध्य महाराष्ट्र** के **घाट क्षेत्रों में,** जलभराव को रोकने के लिए धान की नर्सरी, सब्जियों और बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **गुजरात में**, धान की नर्सरी, गन्ने के खेतों, केले और आम के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा प्रदान करें। **सौराष्ट्र और कच्छ में**, सब्जी की नर्सरी और बागवानी फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल निकाल दें। तीव्र हवाओं और भारी वर्षा से बचाने के लिए गन्ने को मजबूत बांस से सहारा दें या पत्तियों को एक साथ बांध दें।
- **अरुणाचल प्रदेश** में, धान, सोयाबीन, सब्जी के खेतों और बागानों (कीवी, सेब) में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। निचले इलाकों में धान की नई रोपाई से बचें। सब्जियों को सहारा प्रदान करें। केले के पौधों को गिरने या तने को टूटने से बचाने के लिए बांस या लकड़ी के डंडों का उपयोग करके मजबूत सहारा प्रदान करें।
- **असम** में, तिल, फॉक्सटेल बाजरा, बोरो धान, केला और नींबू की कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें। साली धान की नर्सरी, मक्का और गन्ने के खेतों, सुपारी और नारियल के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **मेघालय** में, विशेष रूप से घाटियों में धान की नर्सरी की बुवाई स्थगित करें। मक्का, अदरक, फ्रेंच बीन, लोबिया, सब्जियों के खेतों और धान की नर्सरी के आसपास जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। लोबिया, ककड़ी और लौकी को मजबूत बांस की डंडियाँ या जाली का सहारा दें ताकि बेलें गीली ज़मीन पर न लटकें। केले के पौधे को गिरने से बचाने के लिए उसे सहारा दें।
- **तटीय कर्नाटक** में, धान की नर्सरी की तैयारी स्थगित करें तथा नर्सरी में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और पानी के ठहराव को रोकने के लिए अतिरिक्त वर्षा जल को हटा दें। मक्के के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए जल निकासी की व्यवस्था करें। **दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक** में धान की नर्सरी की तैयारी स्थगित करें। केले और टमाटर को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा/सहायता प्रदान करें। जलभराव से बचने के लिए सब्जियों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

04-07-2025 के 1130 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम फ्लैश फ्लड का खतरा होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश - हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर जिले। उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़ और टिहरी गढ़वाल जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा की वजह से मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	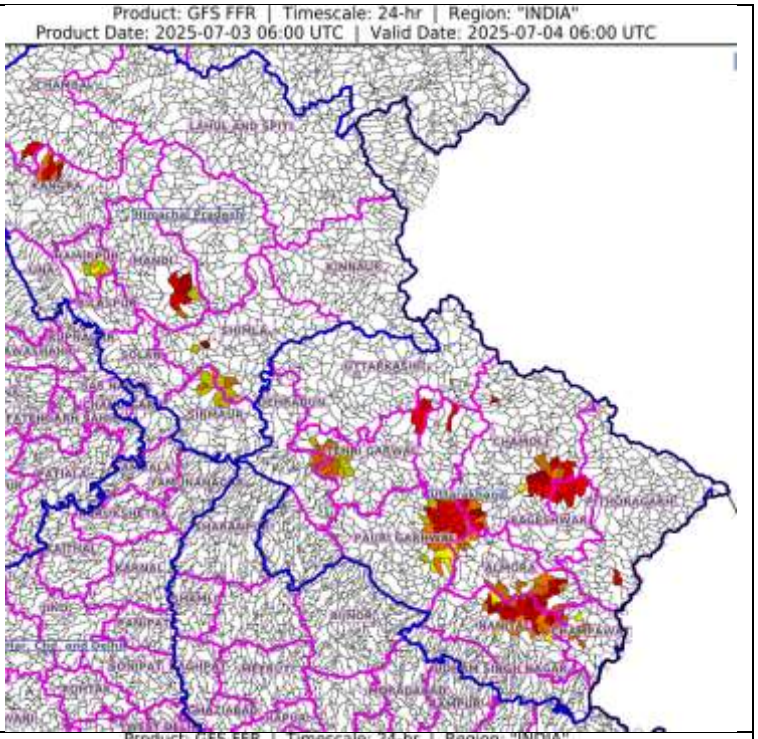
04-07-2025 के 1130 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम फ्लैश फ्लड जोखिम की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश - चांगलांग, दिबांग घाटी, पूर्वी कामेंग, निचली दिबांग घाटी, निचली सुबनसिरी, ऊपरी सुबनसिरी, पापुम-पारे, तिरप, पश्चिमी कामेंग, पश्चिमी सियांग, अंजॉ, ऊपरी सियांग और कुरुंग कुमे जिले। असम और मेघालय - कछार, कामरूप ग्रामीण, कार्बी एनालॉग, कोकराझार, एन.सी. हिल्स, करीमगंज, पूर्वी खासी हिल्स, पश्चिमी खासी हिल्स और जैंतिया हिल्स जिले। एनएमएमटी - नागालैंड - दीमापुर, किफिर, कोहिमा, लोंगलेंग, मोकोकचुंग, मोन, पेरेन, फेक, तुएनसांग, वोखा और जुन्हेबोटो जिले। मिजोरम - आइजोल और चम्फाई जिले। मणिपुर - बिष्णुपुर, चंदेल, चुराचांदपुर, इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, सेनापति, तामेंगलोंग, थौबल और उखरुल जिले। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम - पूर्वी सिक्किम, उत्तरी सिक्किम, दक्षिण सिक्किम, पश्चिमी सिक्किम, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और कोचबिहार जिले। मानचित्र में दिखाए अनुसार अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंताजनक क्षेत्र (एओसी) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	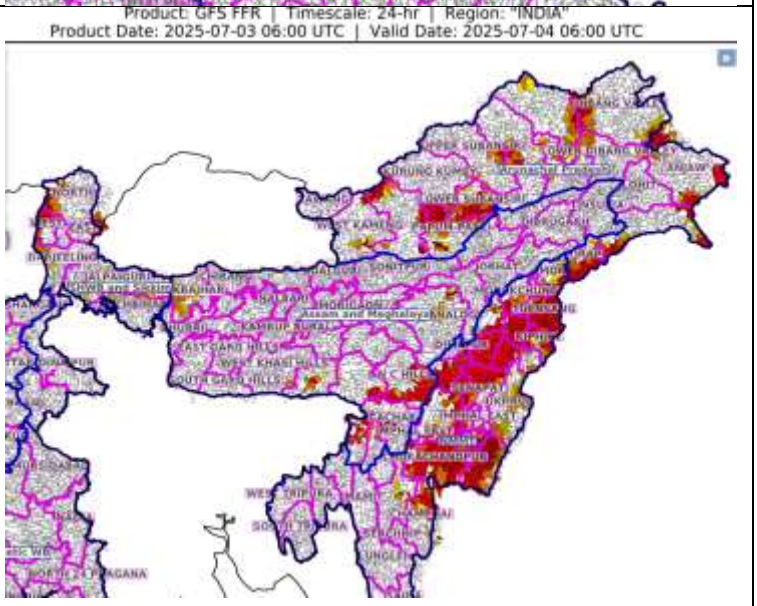

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

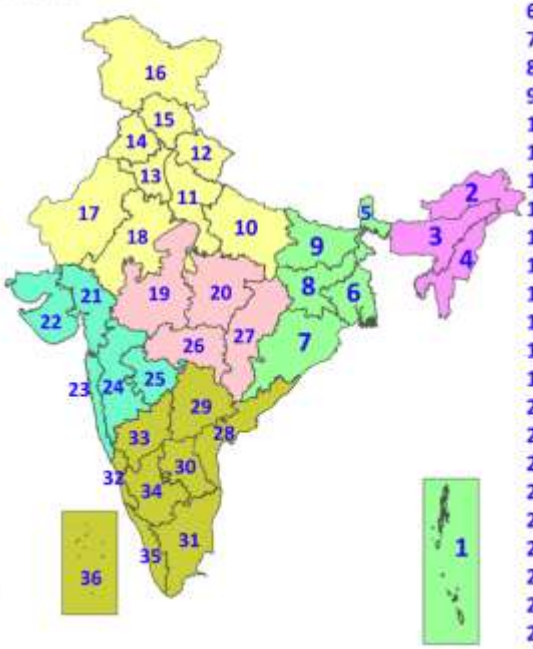

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)